



नन्द विलास राय

गाम : भपटियाही (मधुबनी), अनवरत
साहित्य लेखन, विभिन्न विधामे करीब
दर्जन भरि पोथीक लेखन/प्रकाशन

गर्मी हुआए चाहे भीषण जाड़
जाड़सँ दलकैत अछि देहक हार
मुदा जूनून नहि छैन कनीक्को कम
जीब कि मरब तेकर नहि गम
मातृभूमिक रक्षाक लेल केने छैथ
अपन प्राण अर्पण
हुनका सभक लेल 'चारुधाम'
अछि पोथी समरपन ।





नन्द विलास राय

गाम : भपटियाही (मधुबनी), अनवरत
साहित्य लेखन, विभिन्न विधामे करीब
दर्जन भरि पोथीक लेखन/प्रकाशन

गाँधीजीक विचारधारा
अपनौने छैथ
छैथ पूरा सदाचारी
बुद्धक दर्शन
जनै छैथ
छैथ पैघ परोपकारी
रामायण आओर गीताक
छैन हुनका पूरा ज्ञान
तँए छैथ ओ निष्ठावान
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान ।

देह तँ कारी छैन हुनकर
मुदा दिलक छथिन साफ
केतबो पैघ कियो
अपराध करए हुनकर
कऽ दइ छथिन माफ
आनक धनकें समझै छैथ
बिल्कुल ओ हराम
हमरा गाममे छैथ
एकटा धनवान ।





नन्द विलास राय

गाम : भपटियाही (मधुबनी), अनवरत
साहित्य लेखन, विभिन्न विधामे करीब
दर्जन भरि पोथीक लेखन/प्रकाशन

सभ महानगरमे होनि
अपन निजि मकान
पेट्रोल पम्प, बंगला
गाड़ी आलीशान
रिश्तेदारकेँ भेटै
पद आओर सम्मान
यएह सभ तँ हुनकर छैन अरमान
अपन नेता छैथ केतेक महान ।





नन्द विलास राय

गाम : भपटियाही (मधुबनी), अनवरत
साहित्य लेखन, विभिन्न विधामे करीब
दर्जन भरि पोथीक लेखन/प्रकाशन

महात्मा फूले आओर संन्त कबीरक

छला ओ सुच्चा भक्त

हिन्दु धर्मक मनुवादी बेवस्था

हुनका बुझेलैन बड़ गलत

हिन्दु धर्ममे जन्म लेलैथ

मुदा बौद्ध धर्म अपनेलैथ

देशेटामे नहि अपितु

रविदेश सभमे बड़ नाम कमेलैथ

कोन कारण हिन्दुसँ बौद्ध भेला

ऐ बातपर करै छी हम चिन्तन

भारतक महान विभूतिकें

हमर क्रोटि-क्रोटि नमन ।





नन्द विलास राय

गाम : भपटियाही (मधुबनी), अनवरत
साहित्य लेखन, विभिन्न विधामे करीब
दर्जन भरि पोथीक लेखन/प्रकाशन

दलित परिवारमे जनम लऽ कऽ
देशक भेला विद्वान महान
हिनके नेतृत्वमे लिखल गेल
भारतक संविधान
ओइ परमज्ञानी मनुखक लेल
अर्पण करै छी हम श्रद्धा सुमन
भारत केर महान विभूतिकेँ
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन
हमर क्रोटि-क्रोटि नमन ।

